කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම භාග පරීක්ෂණය

(බාහිර) - 2014 (පැරණි නිර්දේශය)

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND E 1025

නූතන හින්දී සාහිත්‍ය හැඳින්වීම සහ
නූතන හින්දී සාහිත්‍ය උද්ධෘත රස විඳීම (නියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව 05යි | කාලය පැය 03යි

ප්‍රශ්න සියල්ලටම පිළිතුරු සපයන්න

प्रथम भाग

01 निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) खड़ा द्वार पर लाठी टेके,
वह जीवन बूढ़ा पंजर
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमड़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील–डौल है
हट्टी–कट्टी काठी चौड़ी,
इस खंडहर में बिजली–सी
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी

(ख) हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता
रात में उन पर चमकता चाँद भी,
एक ही–सी चाँदनी है डालता।
छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर–वसन
फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौंर को अपना अनूठा रस पिला
खटकता है एक सब की आँख में,
दूसरा है सोहता सुर–सीस पर।

02 संदर्भ देते हुए निम्नलिखित गद्यांशों के अर्थ हिंदी में समझाइए। (20 अंक)

(क) हम कहाँ नीच हैं? और ये लोग क्या ऊँचे हैं? इसलिए कि ये लोग गले में तागा डाल देते हैं? यहाँ तो जितने हैं, एक–से–एक छँटे हैं। चोरी ये करें, जाल–फरेब ये करें, झूठे मुकदमे ये करें। इन्हीं पंड़ित जी के घर में तो बारहों मास जुआ होता है। यही साहू जी तो घी में तेल मिलाकर बेचते हैं। किस बात में हैं हमसे ऊँचे?

(ख) दुनिया का व्यवहार इतना शुष्क, इतना निर्मम, इतना क्रूर है? मैं उससे नफरत करता हूँ। क्या ये लोग नहीं समझते कि यह जो मर जाती है, वह भी किसी की लड़की होती है, किसी माता–पिता के लाड़ में पली होती है, फिर उसके मरते ही सगाइयाँ लेकर दौड़ते हैं।

03 पूस की रात कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। (20 अंक)

द्वितीय भाग

(इन शब्दों के उत्तर सिंहली भाषा में लिख सकते हैं)

04 हिंदी साहित्य के आधुनिक युग की सामाजिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए। (20 अंक)

05 द्विवेदी युग के साहित्य की विशेषताएँ क्या–क्या हैं? समझाइए। (20 अंक)

****